525/
Mukherjee Nagar.

इतिहास
(वैकल्पिक विषय)
टेस्ट-5

DTVF / OPT-24 **H-2405**

निर्धारित समय: तीन घंटे *Time allowed: Three Hours*	*अधिकतम अंक: 250* *Maximum Marks: 250*

Name: Ravi Raaz **Mobile Number:** ____________

Medium (English/Hindi): Hindi **Reg. Number:** ____________

Center & Date: ____________ **UPSC Roll No. *(If allotted)*:** 8007323

प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:

*इसमें आठ प्रश्न हैं जो दो खण्डों में विभाजित हैं तथा **हिन्दी एवं अंग्रेज़ी** भाषा में मुद्रित हैं।*

परीक्षार्थी को कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

*प्रश्न संख्या **1** और **5 अनिवार्य** हैं तथा बाकी में से **प्रत्येक खण्ड से कम-से-कम एक प्रश्न** चुनकर किन्हीं **तीन प्रश्नों** के उत्तर दीजिये।*

प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिये गए हैं।

*प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहियें जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिये। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर **कोई अंक नहीं** मिलेंगे।*

प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिये।

जहाँ आवश्यक हो, अपने उत्तर को उपयुक्त चित्रों/मानचित्रों तथा आरेखों द्वारा दर्शाएँ। इन्हें प्रश्न का उत्तर देने के लिये दिये गए स्थान में ही बनाना है।

प्रश्नों के उत्तरों की गणना क्रमानुसार की जाएगी। यदि काटा नहीं हो, तो प्रश्न के उत्तर की गणना की जाएगी चाहे वह उत्तर अंशतः दिया गया हो। प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:

*There are **EIGHT** questions divided in **TWO SECTIONS** and printed both in **HINDI & ENGLISH**.*

*Candidate has to attempt **FIVE** questions in all.*

*Questions no. 1 and 5 are compulsory and out of the remaining, any **THREE** are to be attempted choosing at least **ONE** from each section.*

The number of marks carried by a question/part is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the eover of this Question-cum-Answer (Q.C.A.) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Illustrate your answers with suitable sketches/maps and diagrams, wherever considered necessary. These shall be drawn in the space provided for answering the question itself.

Attempts of questions shall be counted in sequential order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

प्र. सं. (Q.No.)	a	b	c	d	e	कुल अंक (Total Marks)	प्र. सं. (Q.No.)	a	b	c	d	e	कुल अंक (Total Marks)
1	4	5	5	5	4.5	23.5	5	4	4	3	4	4.5	19.5
2	10.5	6	4.5			21	6						
3	9.5	6.5	5.5			21.5	7	7.5	8	7			22.5
4							8						
												सकल योग (Grand Total)	108

FL 47

मूल्यांकनकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Evaluator (Signature)

पुनरीक्षणकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Reviewer (Signature)

दृष्टि The Vision

Feedback

1. Context Proficiency (संदर्भ दक्षता)
2. Introduction Proficiency (परिचय दक्षता)
3. Content Proficiency (विषय-वस्तु दक्षता)
4. Language/Flow (भाषा/प्रवाह)
5. Conclusion Proficiency (निष्कर्ष दक्षता)
6. Presentation Proficiency (प्रस्तुति दक्षता)

- परिचय दक्षता के स्तर प्रयास ठीक है। कुछ सवालों पर और बेहतर प्रयास किया जा सकता है।
- संदर्भ दक्षता अच्छी है।
- विषयवस्तु प्रयास लगभग ठीक है कुछ प्रश्नों के संदर्भ में और बेहतर प्रयास किया जा सकता है।
- भाषा प्रवाह व शैलीगत प्रयास ठीक है।
- प्रस्तुतीकरण के स्तर पर अच्छा प्रयास है। मानचित्र पर और कार्य करने की जरूरत है।
- निष्कर्ष दक्षता लगभग ठीक है। इसे और प्रभावी बनाने का प्रयास करें।

All the best

Copyright – Drishti The Vision Foundation

1:615

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

खण्ड - क / SECTION - A

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

1. निम्नलिखित में से प्रत्येक का लगभग 150 शब्दों में उत्तर दीजिये: 10 × 5 = 50

Answer the following in about 150 words each: 10 × 5 = 50

(a) सुलह-ए-कुल की नीति का संक्षेप में परीक्षण कीजिये।

Examine briefly the policy of sulh-i-kul.

बहुसंख्यक शासित वर्ग 'हिंदु' तथा अल्पसंख्यक शासक (मुस्लिम) के बीच पारस्परिक संबंधों का निर्धारण भारत में मुस्लिम स्थापना के साथ हो एक जटिल प्रश्न रहा। वैसे तो अलाहउद्दीन खिलजी और मोहम्मद बिन तुगलक ने भी इसका हल ढूंढने का प्रयास किया किंतु अकबर की 'सुलह-ए-कुल' की नीति इसका व्यवहारिक हल सिद्द हो सकी।

संक्षेप रखें।

भूमिका प्रयास ठीक है ↓ इसे और बेहतर और सटीक बनाएं।

सुलह-ए-कुल से आशय स्पष्ट करते हुए आगे बढ़ें।

सुलह-ए-कुल के मुख्य आयाम

आयाम

→ (i) अबुल फज़ल के 'अकबरनामा' में कहीं भी 'दर-उल-हर्ब' या 'दर-उर-इस्लाम' का जिक्र नहीं इसके स्थापन पर सुलह-ए-कुल की नीति पर बल।

दृष्टि The Vision | 641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

(ii) यह माना जाना की जिस तरह से सृष्टि चार तत्वों - (पृथ्वी, जल, वायु और अग्नि) पर आधारित उसी तरह से संसार चार अल्पवर्गों (बुद्धजीवि, योद्धा, व्यवसायिक और सेवक) के संतुलन पर संचालित।

(iii) नीति के तहत भारतीय (हिंदू) कुलीन वर्ग को भी मुगल शासन व प्रशासन से जोड़ा जाना।

(iv) शासक की वैधता एक धर्म विशेष के स्थान पर सभी पंथों के हितों के संरक्षण पर आधारित।

इन्ही कारणों से अकबर द्वारा प्रतिपादित 'सुलह-ए-कुल' की नीति मुगल राजत्व को एक नया आयाम तथा मुगल साम्राज्य को नया स्वरूप देने वाली सिद्ध हुई।

प्रयास ठीक है।

विभिन्न इतिहासकारों के संदर्भ को शामिल करें।

विषयवस्तु के स्तर पर और सटीक व प्रभावी प्रयास करें।

निष्कर्ष ठीक है

4/10

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

(b) दीन-ए-इलाही के विशेष संदर्भ में अकबर के धार्मिक विचारों के विकास का परीक्षण कीजिये।
Examine the evolution of Akbar religious ideas with a special reference to Din-i-ilahi.

अकबर अपनी धार्मिक विचारों व नीति के कारण मध्ययुगीन विश्व इतिहास में अद्वितीय व गुणात्मक रूप से विशिष्ट स्थान रखता है। 1582 में 'दीन-ए-इलाही' की स्थापना इसकी पुष्टि करता है।

हिन्दू पारसी ईसाई + तत्वों का मिश्रण

भूमिका प्रयास ठीक है

अकबर के धार्मिक विचारों के विकास के

तीन चरण

- पहला चरण 1556-1574
- दूसरा चरण 1575-80
- तृतीय चरण 1580-1605

पहला चरण -1556-1574

→ (i) उलेमाओं के प्रभाव के कारण अकबर भी रूढ़िवादी।

→ (ii) फिर भी बंदियों के जबरन धर्मांतरण पर रोक (1561), धार्मिक यात्रा कर का उन्मूलन तथा जजिया कर की समाप्ति।

तथ्यात्मक प्रयास है

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

दूसरा चरण : 1575- 1580

- (i) रहस्यवाद की ओर अकबर प्रवृत्त
- (ii) 'इबादतखाना' की स्थापना और फिर इसका द्वार अन्य धर्मों के लिए भी खोल दिया जाना
- (iii) 1579 में 'महजरनामा' की घोषणा

तृतीय चरण :- 1580 - 1605

- (i) इस्लाम के संकीर्ण विचारों से बाहर निकलकर धर्म के सार तत्व पर बल
- (ii) 'दीन-ए-इलाही' की स्थापना

दीन-ए-इलाही के दो तत्व

- (i) इलाहिया का अपनी पगड़ी बादशाह के चरणों पर रखना तथा बादशाह द्वारा मस्त दिया जाना। फिर इलाहिया को वातिशी प्रदान करना।
- (ii) इलाहिया को अपना धन, सम्मान, जीवन व धर्म बादशाह को अर्पित करना।

यद्यपि अस्मिथ ने दीन-ए-इलाही को अकबर की मूर्खता का स्मारक माना है किंतु वास्तव में यह कुछ सामाजिक नैतिक आचरण के द्वारा हिंदुओं तथा मुसलमानों के बीच संवाद प्रारंभ का प्रयास

सरल बिन्दु अच्छे व संदर्भित है

विषयवस्तु के स्तर पर अच्छा प्रयास है

बदायूनी, मानसरे विसेंट स्मिथ एवं स्लीमन आदि जैसे इतिहासकारों के तर्कों को शामिल करें।

Good

5/10

निष्कर्ष ठीक है

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(c) विजयनगर राज्य को परिभाषित करने के लिये 'सेगमेंटरी स्टेट' मॉडल किस हद तक प्रासंगिक है? समालोचनात्मक परीक्षण कीजिये।

To what extent is the 'Segmentary State' model relevant for defining the Vijayanagar State? Critically examine.

विजयनगर के साम्राज्य के स्वरूप का निर्धारण हमेशा ही विद्वानों के बीच विवाद का विषय रहा है इसी क्रम 'बर्टेन -स्टीन' ने 'सेगमेंटरी स्टेटमॉडल' की अवधारणा विजयनगर साम्राज्य के स्वरूप के निर्धारण में पेश की है।

केन्द्रीकृत राज्य के विचार का विरोध

भूमिका अच्छी है

सेगमेंटरी स्टेट मॉडल से संबंधित तथ्य - विजयनगर के विशेष संदर्भ में

- (i) मूलतः के-साउथ बेल द्वारा अलूरी साम्राज्य के अध्ययन के क्रम में विकसित
- (ii) वास्तविक और अनुष्ठानिक प्रधान के बीच स्पष्ट अंतर माना जाना
- (iii) बर्टेन स्टीन के अनुसार 'विजयनगर के शासक अनुष्ठानिक प्रधान थे न कि वास्तविक'।

Good Points

अच्छा प्रयास

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(iv) रामनौवमी का भव्य आयोजन तथा शासकों द्वारा भव्य मंदिरों का निर्माण इसका प्रमाण

(v) वास्तविक सत्ता फलायगारो, नायकों आदि के हाथ में

सेगमेंटरी मॉडल की विशेषताएं स्पष्ट करें।

विचार को चुनौती

(i) विजयनगर का शासन निरंकुश राजतंत्र पर आधारित

(ii) कृष्णदेव राय के द्वारा भूमि के पैमाइश करवाया जाना

(iii) स्थानीय नायकों व अधिकारियों का नियमित स्थानांतरण

(iv) विजयनगर के पास एक विशाल सेना का होना जिसका अंतिम नियंत्रण राजा के पास

Good Points

विषयवस्तु प्रयास अच्छा है

कुराशिमा, सुब्बारायलु, शनमुघन इत्यादि के संदर्भ को शामिल करें।

इन्ही तथ्यों के कारण 1989 में ~~ते~~ प्रकाशित अपनी पुस्तक में बर्टन स्टीन ने अपने विचारों को बदलते हुए सिगमेंटरी राज्य के स्थान पर 'सामंती राज्य' करार दिया

निष्कर्ष ठीक है

5/10

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(d) कबीर और नानक के योगदान पर ज़ोर देते हुए भक्ति आंदोलन की निर्गुण विचारधारा के विकास पर चर्चा कीजिये।

Discuss the growth of the Nirguna School of Bhakti Movement emphasising the contribution of Kabir and Nanak to it.

भक्ति आंदोलन मध्यकालीन भारत में होने वाला सर्वप्रमुख सांस्कृतिक आंदोलन था जिसकी दो मुख्य शाखाएँ थी

दो शाखाएँ

- निर्गुण भक्ति → निराकार ब्रह्म पर बल
- सगुण भक्ति → साकार ईश्वर की स्वीकृति

भूमिका ठीक है

निर्गुण भक्ति के विकास का कारण :-

(i) नई तकनीकों के आगमन (चरखा व तकली) के कारण शिल्पियों के आर्थिक दशा में सुधार किंतु सामाजिक स्थिति में सुधार नहीं।

(ii) धर्मांतरण के बावजूद नए धर्म में भी सामाजिक आकांक्षाओं का संतुष्ट न हो पाना (जुलाहा)

कबीर व नानक का परिचय संक्षिप्त में वर्णन करें।

अच्छा प्रयास है

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें!
(Please don't write anything in this space)

(iii) धार्मिक रूढ़िवाद के प्रति कुछ लोगों में प्रतिक्रिया

उपरोक्त कारणों ने संयुक्त रूप से निराकार ब्रह्म की उपासना पर आधारित निर्गुण भक्ति आंदोलन को जन्म दिया जिसमें कबीर तथा नानक का विशेष योगदान रहा।

योगदान

कबीर	नानक
→ हिंदु तथा इस्लामिक कट्टरता की आलोचना	→ अपने सहज बुद्धि के द्वारा धार्मिक कर्मकांडो पर चोट
→ रहस्यवाद का प्रत्येप्रण	→ एक ईश्वर तथा नाम जप की परम्परा में गहरा विश्वास
→ अपने दोहे व साखियों के माध्यम से जन जागृति का प्रयास	→ सबद व संगत एवं पंगत के माध्यम से अपने अनुयायियों के बीच तार्किक व बंधुता की भावना को प्रोत्साहित करना।

हांलाकि कबीर तथा गुरु नानक जैसे निर्गुण भक्त संतो ने सामाजिक कुरीतियों पर प्रश्न खड़ा ~~किया~~ किंतु उपाय सुझाने में असमर्थ रहे।

अवधारणात्मक समझ ठीक है

विषयवस्तु व विश्लेषण दृष्टया ठीक है

तत्कारणात्मक प्रयास है

good

निष्कर्ष ठीक है

5/10

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(e) "मुगलों और ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी के संबंध" पर एक संक्षिप्त निबंध लिखिये।

Write a short essay on: "the relationship of Mughals and the British East India Company."

मुगल तथा ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कम्पनी दोनों ही 17-18वीं सदी के भारत के प्रमुख तत्व थे जिनके संबंधों का विकास क्रमिक रूप से हुआ।

भूमिका प्रयास और बेहतर करें।

मुगल तथा ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी के संबंधों की शुरुआत जहाँगीर काल में तब हुई जब विलियम हॉकिन्स ने सूरत में अपनी व्यापारिक फैक्ट्री स्थापित करने की अनुमति प्राप्त की। क्रमिक रूप से उन्होंने सम्पूर्ण मुगल साम्राज्य में अंग्रेजी व्यापारिक गतिविधि संचालित करने की अनुमति बादशाह से हासिल कर ली इस क्रम 1707 का 'दस्तक व्यवस्था' प्रमुख है।

अच्छा प्रयास है

विनम्र से याचिकापूर्ण व्यवहार

good

यद्यपि मुगल तथा ब्रिटिश कंपनी का संबंध "Love hate relation" पर आधारित रहा जहाँ एक तरफ मुगल कंपनी के

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

व्यापारिक गतिविधियों को मुगल अर्थव्यवस्था के लिए अनुकूल मानते वही कम्पनी मुगलों से अधिक रियायत प्राप्त करने के लिए मुगल सत्ता को चुनौति देने का प्रयास भी करती। 1686 में कंपनी द्वारा औरंगजेब के विरुद्ध विद्रोह किया जाना तथा 1764 का 'बकसर का युद्ध' इसका उदाहरण है।

हालांकि मुगल साम्राज्य के आंतरिक कमजोरियों तथा कम्पनी की बढ़ती शक्ति के कारण अंतत: ब्रिटिश कम्पनी के समानांतर मुगलों की हार हुई तथा अंतिम रूप से 1857 की क्रांति के पश्चात् मुगल बादशाह का अंत ब्रिटिश द्वारा कर दिया गया।

धार्मिक आयाम को भी शामिल कर सकते हैं

किले बंदी एवं व्यापारिक चौकियों के संदर्भ में चर्चा करें।

निष्कर्ष ठीक है

विश्लेषणात्मक प्रयास अच्छा है

4.5/10

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

2. (a) 18वीं शताब्दी अराजकता और पतन की शताब्दी थी। समालोचनात्मक विश्लेषण कीजिये। 20

The 18th Century was a century of chaos and decline. Critically analyse. 20

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

18वीं सदी का मूल्यांकन

विद्वानों के बीच हमेशा से ही विवाद का विषय रहा है। जहाँ अलीगढ़ विद्वानों व ~~मुस्लिम~~ ब्रिटिश पक्षधर विद्वानों ने 18वीं सदी को अराजकता व पतन का काल माना है वही मुजफ्फर आलम व चेतन सिंह जैसे सबाल्टर्न विद्वानों ने 18वीं सदी को नई संभावनाओं व क्षेत्रीय संवृद्धि का काल बताया है ~~गया~~।

तीन भिन्न दृष्टिकोण

(i) अलीगढ़ विद्वान (संकट की अवधारणा)

(ii) ब्रिटिश पक्षधर विद्वान (अंधकार युग)

(iii) सबाल्टर्न विद्वान (प्रगति का युग)

मुगल पतन एवं ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन का संक्रमण काल

भूमिका प्रयास अच्छा है

good

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(1) अलीगढ़ ~~विद्वा~~ विद्वानों का विचार :-

→ (i) सतीश चंद्रा ने अपनी पुस्तक 'Party and politics at Mugal court' (1956) में 18वी सदी के काल को जागिरदारी संकट का काल माना है, इसके लिए उन्होंने दक्कन में उलझाव के कारण औरंगजेब के द्वारा जागीरों का अंधाधुंध आवटन, दक्षिण के कम उपजाऊ क्षेत्र में जागिरदारी व्यवस्था का विस्तार, 'शेर-ए-हासिल' जागीर को 'खालसा भूमि' में तब्दील किया जाना तथा जोर-ए-तलब जागीर के विस्तार को माना है।

(ii) इरफान हबीब ने अपनी शोध पुस्तक 'Aggrarian System in Mugal India' में 18वी सदी के काल को कृषि संकट से जोड़कर देखा है, इसके पीछे उन्होंने जागीरदारों द्वारा कृषि विकास में रुचि न लिए जाने, बार-बार पड़ने वाले अकाल तथा मुद्रा संकट को जिम्मेदार माना है।

good

जाट, सिख, मराठों के हमलों के संदर्भ में चर्चा शामिल कर सकते हैं

good

प्रयास उत्तम है

साक्ष्यों व परिभाषाओं का प्रयोग करें

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

② ब्रिटिश पक्षधर विद्वानों का विचार

(i) सर 'यदुनाथ सरकार,' ने 18 वीं सदी के पूर्वार्द्ध को अंधकार युग से जोड़कर देखा है इस क्रम में इनके अग्र विचार हैं

विचार
- (क) केन्द्रीकृत सत्ता के रूप में मुगल साम्राज्य का पतन
- (ख) क्षेत्रीय स्तर पर छोटे राज्यों का उद्भव
- (ग) मुद्रा संकट तथा कृषि संकट

(ii) वस्तुत: सर यदुनाथ सरकार का मूल उद्देश्य प्लासी का युद्ध (1757) को 'प्लासी क्रांति' करार देना था।

3 सबाल्टर्न विद्वानों का विचार → इनके अनुसार 19 वीं सदी महान प्रगति व विकास वाला काल था।

- सांस्कृतिक विफलता
- तकनीकी विफलता
- व्यापार में गिरावट इत्यादि संदर्भ को भी शामिल कर सकते हैं

वृद्धि और निरंतरता की परिकल्पना के संदर्भ में भी प्रकाश डालें
↓
- सी.ए बेली,
- सतीश चन्द्र आदि विद के विचारों को शामिल करें।

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

विखण्डित राज्य एव समृद्धि की अवधारणा का संदर्भ शामिल करें।

कुछ तथ्य

(i) एक तरफ मुगल साम्राज्य के पतन के रूप में जहाँ केन्द्रीयकरण की ताकतें कमजोर हो रही थी वही दूसरी तरफ क्षेत्रीय राज्यों यथा
- हैदराबाद आदि
- अवध

के विकास से विकेन्द्रीकरण की प्रक्रिया प्रोत्साहित हो रही थी

तथ्य बिन्दु ठीक है

(ii) मुगल कला व संस्कृति का प्रसार क्षेत्रीय स्तर पर भी हो रहा थी

(iii) देश में समावेशी व समासिक सँस्कृति को प्रोत्साहन का काल

विषयवस्तु प्रयास अच्छा है

(iv) चाँदी के आगमन तथा नगदी फसलों के उत्पादन में वृद्धि से क्षेत्रीय समृद्धि को प्रोत्साहन

(V) क्षेत्रीय समृद्धि का लाभ लेने के लिए जमीनदारों, सूबेदारों व जागीरदारों के द्वारा केन्द्रीय सत्ता के विरुद्ध गठबंधन बनाया जाना।

निष्कर्ष ठीक है

अतः 18 वीं सदी के काल को अराजकता व पतन के अवस्था से जोड़कर देना तथ्यों का सरलीकरण होगा अपितु इसे नए सभावनाओं के काल के रूप में देखे जाने की जरूरत है।

10.5/20

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(b) विजयनगर साम्राज्य की प्रशासनिक संरचना को यूरोपीय वृत्तांतों ने बेहतर चित्रित किया है। टिप्पणी कीजिये। 15

Administrative structure of the Vijaynagar Empire is best illustrated through European accounts. Comment. 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

विजनगर की प्रशासनिक व्यवस्था का मूल्यांकन इतिहासकारों के लिए एक विवाद का विषय रहा है।

परिचयात्मक भूमिका बनाएं।

विजयनगर के प्रशासन से संबंधित प्रमुख विचार

- (i) नीलकंठ शास्त्री :
  - (क) व्यापक नौकरशाही पर आधारित केन्द्रीकृत राज्य का उदाहरण
- (ii) बर्टन स्टैन : खण्डित राज्य का उदाहरण
- (iii) कारासीमा व सुब्बारायलू :
  - सामंती राज्य का उदाहरण
- (iv) हरबंस मुखिया :
  - सैनिक सामंतवाद

प्रशासनिक इकाइयों को स्पष्ट करें + मंडलम, नाडु, स्थल, ग्राम etc...

अच्छा प्रयास है

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

हालाँकि विजनगर साम्राज्य की प्रशासनिक संरचना को यूरोपीय वृत्तांतों ने कही बेहतर चित्रित किया है।

यूरोपीय वृत्तांतों के अनुसार विजयनगर प्रशासन

(i) निकोलो कोंटी, डोमिंगो पायस, बारबोसा तथा निकितीन यूरोपीय विद्वानों ने विजयनगर प्रशासन पर विस्तार से प्रकाश डाला है।

(ii) इनके अनुसार विजयनगर में 'नायकर' व्यवस्था 'आयंगर व्यवस्था' का प्रचलन था।

(iii) डोमिंगो पायस के अनुसार "राजा अत्यंत न्यायप्रियता जो अपने प्रजा के सभी वर्गों का ख्याल रखता है"

(iv) विदेशी वृत्तांतों में विजनगर प्रशासन के अन्य आयामों यथा- सैन्य व्यवस्था, राज्य का विभाजन तथा नागरिक प्रशासन

नवीन बिन्दु ठीक व संदर्भित हैं

अन्य महत्वपूर्ण तथ्यों एवं आयामों को शामिल कर समग्रता लाएं

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

पर भी बल दिया गया है।

राजा (राजा)
↓
मंत्रिपरिषद (सलाहकारी निकाय)
↓
विभिन्न प्रांतों में विभाजन (पहले राजपरिवार के सदस्यों के अधीन
↓
नायकर व्यवस्था
↓
आयंगर व्यवस्था

विजयनगर प्रशासन का सोपानक्रम

विजयनगर प्रशासन अपने स्वरूप में व्यापक और विविधतामूलक था जिसकी जानकारी यूरोपीय वृत्तांतों के साथ ही अन्य तत्कालिक साहित्यिक स्रोतों से भी होती है।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(c) अहोम साम्राज्य, पूर्वोत्तर में मुगलों के आक्रमण को सफलतापूर्वक विफल कर पाया। चर्चा कीजिये। 15

The Ahom kingdom successfully thwarted the Mughal advances in the northeast. Discuss. 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

अहोम-मुगल संघर्ष 17वीं सदी के भारत की एक विशेष घटना मानी जाती है जिसमें कुछ अपवादों को छोड़कर पूर्वोत्तर में विशाल व शक्तिशाली मुगल साम्राज्य के आक्रमण को प्रायः विफलता मिली।

भूमिका प्रभावी लिखी है

मुगल और अहोम साम्राज्य का राज्यक्षेत्र

प्रभावी लिखी है

मानचित्र पर और कार्य करें

मुगल अहोम संघर्ष से संबंधित तथ्य

(i) मुगल-अहोम संघर्ष की शुरुआत 1616 में

1612 जहांगीर द्वारा कामरूप पर कब्जा

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

तब हुई जब मुगलों ने 'कामरूप' पर विजय हासिल कर ली।

(ii) जहाँगीर काल से शुरू होने वाला मुगल-अहोम संघर्ष शाहजहाँ काल से होते हुए औरंगजेब काल तक चलता रहा

(iii) 1639 में ब्रह्मपुत्र नदी मुगल तथा अहोम साम्राज्य की सीमा निर्धारित की गई

(iv) 1660 के दशक आरंभ में औरंगजेब के सेनापति 'मीर जुमला' (बंगाल के तत्कालिन सुबेदार) अहोम साम्राज्य पर आक्रमण कर अहोमों को जीत लिया

(v) यद्यपि मीर जुमला की मृत्यु के उपरांत अहोमों ने पुनः स्वतंत्रता की घोषणा कर दी

(vi) इसके उपरांत औरंगजेब के सबसे भरोसेमंद राम सिंह को असफलता ही हाथ लगी।

संघर्ष के कारणों को स्पष्ट करते हुए आगे बढ़े एवं बाधक कारकों को भी स्पष्ट करें।

आहुर आली की संधि के संदर्भ को शामिल करें।

लाचित बोरफुकन की भूमिका पर चर्चा करें।

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

प्राय: कहा जाता है कि अहोम साम्राज्य ने अपने सीमित संसाधनों के बावजूद कहीं अधिक शक्तिशाली मुगल साम्राज्य के उत्तरपूर्व में आक्रमण को अधिकांशत विफल ही किया।

विषयवस्तु के स्तर पर और बेहतर प्रयास करें।

4.5/15

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

3. (a) मुगल शासकों की दक्कन नीति उनकी व्यक्तिगत इच्छा की अपेक्षा समकालीन परिस्थिति से पनपी ज़रूरतों से निर्देशित थी। परीक्षण कीजिये। 20

Deccan Policy of Mughal Rulers was directed by the needs evolved due to contemporary situations rather than their personal will. Examine. 20

ऐतिहासिक रूप से उत्तर भारतीय शासकों ने उत्तर भारत के विजय के उपरांत दक्कन की ओर अभियानों का नेतृत्व किया है। मुगल शासकों की दक्कन नीति को इसी परिप्रेक्ष्य में देखा जाता रहा है।

(तुगलक और अलाउद्दीन के संदर्भ के साथ प्रयास प्रभावी बनाएं)

प्रमुख मुगल शासकों की दक्कन नीति

1 अकबर

- (i) दक्कन में सीमित विस्तार की नीति।
- (ii) अहमदनगर के उत्तराधिकार के मामले में हस्तक्षेप कर पहले बरार और फिर बालाघाट पर अधिकार कर लेना।
- 1601 में खानदेश पर नियंत्रण।

good

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

2 जहाँगीर

→ (i) अकबर द्वारा विजित क्षेत्रों को अपने नियंत्रण में बनाए रखने पर बल।

→ (ii) मलिक अम्बर के विरुद्ध शाहजहाँ को सफलता के बावजूद दक्कन में बेहद ही सीमित विस्तार।

3 शाहजहाँ

→ (i) 'खान-ए-जहाँ' को दक्कन का सूबेदार नियुक्त किया जाना किंतु खान-ए-जहाँ के साथ द्वारा अहमदनगर के साथ मिलकर मुगलों के विरुद्ध विद्रोह करना।

→ (ii) अंततः शाहजहाँ के द्वारा अहमदनगर के 'विलय की नीति' (1633) अपनाई गई।

→ (iii) अहमदनगर पर अपनी वैधता स्थापित करने के लिए बीजापुर और गोलकुंडा के साथ 1636 में एक संधि।

दक्कन नीति अपनाए जाने के कारणों को स्पष्ट करें + - मराठों का उभरना - व्यापारिक मार्गों की उपस्थिति - प्रशासनिक व आर्थिक आवश्यकता etc.

प्रश्न की मुख्य माँग को समझते हुए उत्तर अनुरूप लेखन प्रयास करें

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

iv) → 1656 में बीजापुर के साथ 1636 की संधि को तोड़ जाना।

4 → औरंगज़ेब →

→ (i) अनियंत्रित विस्तार की नीति।

→ (ii) मराठों के साथ-साथ बीजापुर और गोलकुंडा के राज्यक्षेत्र पर भी नियंत्रण।

→ (iii) पूर्णतः विफल दक्कन की नीति का पृष्ठप्रेषण।

good

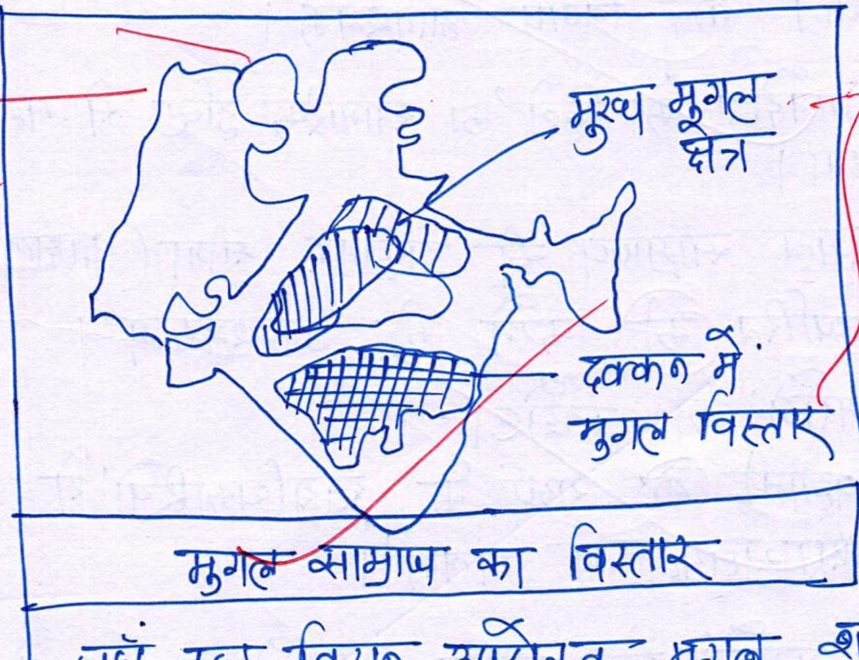

मुगल साम्राज्य का विस्तार

मानचित्र पर कार्य करें

good

विभिन्न इतिहासकारों व विशेषज्ञों के संदर्भ को शामिल करें।

जहाँ कुछ विद्वान उपरोक्त मुगल शासकों की दक्कन नीति को उनके व्यक्तिगत महत्वकांक्षा का परिणाम माना है वही

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

कुछ अन्य ने इसे तत्कालिक जरूरत से जोड़कर देखा।

व्यक्तिगत महत्वकांक्षाओं का परिणाम

→(i) चक्रवर्ती सम्राट की महत्वकांक्षा।

→(ii) उत्तर विजय के पश्चात स्वाभाविक रूप से दक्षिण की ओर अग्रसर।

→(iii) पूर्व शासकों (अलाउद्दीन) से प्रेरणा।

तत्कालिक परिस्थितियों का परिणाम

→(i) मालवा व गुजरात के व्यापार पर नियंत्रण हेतु दक्कन की विजय आवश्यक।

→(ii) 'खानदेश के किले' का सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण होना।

→(iii) मुगल साम्राज्य की प्राकृतिक सीमा (दक्षिण में) निर्धारित की करने की आवश्यकता।

→(iv) मराठों का विद्रोह।

→(v) बहमनी के राज्य के उत्तराधिकारियों से अपेक्षित सहायता न मिलना।

यद्यपि मुगलों की दक्कन नीति के निर्धारण में तत्कालिक परिस्थितियाँ मुख्य प्रेरक तत्व रही किंतु व्यक्तिगत इच्छा को कम कर नहीं आंका जा सकता है

सकारात्मक प्रयास है

विषयवस्तु प्रयास ठीक है

9.5/20

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(b) विजयनगर साम्राज्य की सामाजिक व्यवस्था सैद्धांतिक रूप से शास्त्रीय परंपरा पर आधारित होते हुए भी एक नवीन आयाम को लिये हुए थी जो समाज में समरसता को तो दिखाती है परंतु यह विजयनगर समाज को पूर्व की बुराइयों से अछूता नहीं रख पाई। व्याख्या कीजिये। 15

The social system of Vijayanagar kingdom, though was theoretically based on classical tradition still contained a new dimension which shows harmony in the society but it could not been able away Vijayanagar society from previous evils. Explain. 15

विजनगर कालीन समाज परिवर्तन व निरंतरता को भली भाँति रेखांकित करता है जो सैद्धांतिक रूप से शास्त्रीय परंपरा पर आधारित होने के साथ ही नवीन आयामों को भी प्रदर्शित करता है।

भूमिका ठीक है

① शास्त्रीय परंपरा पर आधारित –
- (i) पितृसत्तावादी समाज
- (ii) ब्राह्मणवादी व्यवस्था पर विशेष बल
- (iii) औपचारिक रूप से वर्ण विभाजन की स्वीकृति
- (iv) समाज में विभिन्न श्रेणी के लोगों का स्पष्ट सोपानक्रम

good points

- वर्णाश्रम व्यवस्था
- महिलाओं की स्थिति
- शिक्षा की स्थिति
- विवाह इत्यादि संदर्भों को शामिल करें

विजयनगर कालीन समाज में नए आयाम के तत्व –

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

तत्व

- (i) 'वर्ण व्यवस्था' को स्वीकृति के बावजूद मुख्यत: पेशे के आधार पर विभाजन की स्वीकृति।
- (ii) एक क्षेत्र के लोगों का आपस में जुड़ा होना।
- (iii) समाज मुख्यत: इलंगई (शिव पूजक) और बलंगई (विष्णु पूजक) के बीच विभाजित
- (iv) समाज में पर्याप्त सैतिज विभाज व ~~का~~ विविधता।

विजयनगर कालीन समाज में निहित पूर्व की बुराईयाँ

- (i) सती प्रथा (निकोलो कौंटी भी इसकी पुष्टि करता है।
- (ii) अस्पृश्यता
- (iii) नर बलि प्रथा (बारबोसा के द्वारा भी वर्णित)

- मल्ल योद्धा
- ज्योतिषी,
- अंगरक्षिकाएं
- सुरक्षाकर्मी
- लेखाधिकारी
- संगीतज्ञ
इत्यादि में महिला भागीदारी विजयनगर की अनूठी व्यवस्था मध्यकालीन व्यवस्था के विपरीत

तार्किक एवं सटीक है

अच्छा प्रयास है

Good

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(iv) पर्दाप्रथा
(v) दहेज प्रथा
(vi) पशु बली
(vii) प्रमाणवादी कर्मकांड

इन्हीं कारणों से यह कहा जाता है कि विजयनगर कालीन समाज नवीन आयामों से युक्त होने बावजूद अपने पूर्व की नीतियों के कारण सामाजिक रूप से प्रतिहीन माना जाता है।

- देवदासी प्रथा
- विधवाओं की कष्टदायी स्थिति
- गणिकाएं
- दास प्रथा
- विवाद
- शिक्षा
- इत्यादि संदर्भ को शामिल करें

निष्कर्ष नवीनता के साथ निरंतरता के तत्वों के संदर्भ सहित लिखें

विषयवस्तु प्रभाव तार्किक के साथ करें।

इस तरह के शब्दों से बचें

6.5/15

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(c) मुगल साम्राज्य के तहत जागीरदारी और मनसबदारी व्यवस्था की विशेषताओं पर प्रकाश डालिये। 15

Highlight the features of Jagirdari and Mansabdari systems under Mughal empire. 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

जागीरदारी व्यवस्था मुगल सिविल और सैन्य प्रशासन को परस्पर जोड़ने की एक सफल कोशिश थी, जिसकी शुरुआत अकबर ने अपने शासन के 41वें वर्ष के दौरान की थी।

पश्चिम एशिया अथवा फारसी संदर्भ को शामिल करें।

भूमिका ठीक है

मनसबदारी व्यवस्था की विशेषताएँ

→ (i) इसके तहत दो पदों की व्यवस्था 'जात' और 'सवार'। जहाँ 'जात' पद व्यक्तिगत ओहदे को अभिव्यक्त करता वही 'सवार' उनके अधीन रखें जाने वाले घोड़ों की संख्या को अभिव्यक्ति करता।

प्रयास ठीक है

मनसबदारी व्यवस्था का संक्षिप्त परिचय शामिल करें

→ (ii) मनसबदारों की कुल 66 श्रेणियाँ विद्यमान थी किंतु अबुल-फजल के अनुसार केवल 33 श्रेणियाँ ही

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

कार्यशील थी।

(iii) मनसबदारों को 10-10 हजार का मनसब रखने की अनुमति दी जाती किंतु प्रायः 5000 से अधिक का मनसब केवल अत्यंत महत्वपूर्ण अमीरों तथा बादशाह के संबंधियों को ही आवंटित किया जाता।

• (यथा – (मानसिंह व अजीज कोका - 7000 का मनसब)

(iv) जात और सवार के संबंधो के आधार पर मनसबदारों के मुख्यतः तीन वर्ग –

→ (क) प्रथम श्रेणी का मनसबदार – जात और सवार की संख्या का समान होना।

→ (ख) द्वितीय श्रेणी का मनसबदार – सवार पद का जात पद का आधा या आधे से अधिक होना।

→ (ग) तृतीय श्रेणी का मनसबदार – सवार पद का जात पद के आधे से भी कम होना।

सही लिखे हैं

इतिहासकारों के संदर्भ को शामिल करें + पार्सिवल स्पीयर etc.

Good

इस भाग को संक्षिप्त में समझाएं

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

(v) सवारों की संख्या के आधार पर मनसबदारों की तीन श्रेणियां –
- (क) मनसबदार ⇒ 10 - 500 मनसब
- (ख) अमीर - अल - अमरा ⇒ 500 - 2500
- (ग) अमीर - उल - उमरा ⇒ 2500 से अधिक

(vi) मनसबदारों को दो रूपों में वेतन का वितरण
- (क) नगद
- (ख) जागीर – जागीर के रूप में वेतन प्राप्त करने वाले मनसबदार ही जागीरदार कहलाए

लाभ
- (i) केन्द्रीयकरण का मुख्य वाहक
- (ii) कानून व्यवस्था को स्थापित करने में सहयोगी
- (iii) राजस्व की वसूली में सहायक
- (iv) मिश्रित अमीर वर्ग का निर्माण

इन्हीं कारणों से मनसबदारी जागीरदारी व्यवस्था को मुगल साम्राज्य का स्थायी ढाँचा माना जाता है जिसने मुगल साम्राज्यवाद को प्रोत्साहित व सुदृढ़ किया।

जागीरदार प्रणाली एवं इसके प्रकारों पर भी प्रकाश डालें

प्रश्न की मुख्य मांग पर फोकस करें।

विषयवस्तु को मानचित्र के साथ समझाएं

निष्कर्ष में समग्रता लाएं

5.5/15

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

4. (a) मुगलों ने एक पूरी तरह से बहुसांस्कृतिक और बहुभाषी शाही छवि निर्मित की जिसमें संस्कृत ग्रंथों, बुद्धिजीवियों और ज्ञान प्रणालियों पर बार-बार ध्यान देना शामिल था। चर्चा कीजिये। 20

The Mughals cultivated a thoroughly multicultural and multilingual imperial image that involved repeated attention to Sanskrit texts, intellectuals, and knowledge systems. Discuss. 20

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर

दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर

दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(b) मुगल साम्राज्य के दौरान महिलाओं की स्थिति पर प्रकाश डालिये। 15

Highlight the condition of women during the Mughal Empire. 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(c) 16वीं और 17वीं शताब्दी के दौरान बैंकिंग तथा ऋण प्रणाली के संबंध में भारतीय व्यापारिक वर्गों की स्थितियों पर प्रकाश डालिये। 15

Highlight the conditions of the Indian mercantile classes with respect to the banking and credit system during the 16th and 17th centuries. 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

खण्ड - ख / SECTION - B

5. निम्नलिखित में से प्रत्येक का लगभग 150 शब्दों में उत्तर दीजिये: 10 × 5 = 50

Answer the following in about 150 words each: 10 × 5 = 50

(a) 15वीं शताब्दी के भक्ति आंदोलन के संतों के विचारों में काफी साम्यता प्रतीत होती है। चर्चा कीजिये।

There seems to be considerable equivalence in the views of the saints of the Bhakti movement of the 15th century. Discuss.

भक्ति आंदोलन मध्यकालीन भारत का सर्वाधिक महत्वपूर्ण आंदोलन था भक्ति आंदोलन की दो शाखाएँ (1) सगुण (साकार ब्रह्म की स्वीकृति (2) निर्गुण - ब्रह्म के निराकार स्वरूप पर बल।

अलग - अलग पृष्ठभूमि व काल से संबंधित होने के बावजूद भक्ति आंदोलनों के संतों के विचारों में पर्याप्त समानता के तत्व प्रतीत होते हैं।

सगुण भक्त संतों के विचारो में

समानता —

(i) चैतन्य से लेकर मीराबाई और तुलसीदास से लेकर शंकरदेव ने ब्रह्म के साकार स्वरूप को स्वीकारा और महिमा मंडित किया।

सामाजिक संदर्भ को भी शामिल करें

भूमिका प्रयास और बेहतर किया जा सकता है

अधिकांश निम्न वर्ग से (समाज सुधारक)

प्रयास ठीक है

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर

दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(ii) सगुण भक्त संतो ने विष्णु तथा उनके अवतारों की उपासना पर बल देकर जनसामान्य के बीच धार्मिक समानता के भाव को प्रोत्साहित किया।

(iii) सभी सगुण संतो ने पुराणों तथा महाकाव्यों में अपने विश्वास को प्रदर्शित किया।

निर्गुण भक्त संतो के विचारो मे समानता

(i) कबीर से लेकर नानक तक ने रहस्यवाद में निष्ठा व्यक्त की।

(ii) सामाजिक व धार्मिक रूढ़िवादिता व कट्टरता को अस्वीकृति।

(iii) भक्त संतो के द्वारा ईश्वर की एकता के माध्यम से मानव की एकता पर सामान्य रूप से बल दिया जाना।

गौरतलब है कि भक्तिकालीन संतो की एक प्रमुख विशेषता अलग-अलग संतो के विचारों से अवगत होना भी रहा यथा कबीर ने रैदास को 'संतो का संत' कहा।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(b) क्या आपके विचार में बिहार-बंगाल संघर्ष और वहाँ की सामाजार्थिक परिस्थितियों ने शेरशाह के उदय में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई?
Do you think that Bihar-Bangal conflict and its socio-economic conditions played an important role in the rise of Shershah?

शेरशाह (1540-1545) मध्ययुगीन भारत में अल्पकालिक शासन के बावजूद महानतम शासकों में से एक रहा जिसकी पृष्ठभूमि उसके व्यक्तिगत योग्यता, दृढ़ता, साहस और उसके उद्भव के समय विद्यमान परिस्थितियों ने तैयार की।

भूमिका ठीक है

उद्भव में बिहार-बंगाल संघर्ष व सामाजार्थिक परिस्थितियों की भूमिका

भूमिका

- (i) बंगाल के शासकों और बिहार के अफगान शासकों के बीच संघर्ष का शेरशाह द्वारा लाभ उठाया जाना।
- (ii) चौसा के युद्ध (1538) के पहले हुमायूँ के द्वारा बंगाल पर नियंत्रण किया जाना जबकि शेरशाह के द्वारा शेर बंगाल पर शासन करने

वैवाहिक रणनीति (वि मोहम्मद शाह की मृत्यु + शेरशाह का उत्कर्ष

जलाल खां द्वारा नुसरत शाह से संरक्षण + बिहार-बंगाल संघर्ष

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

की महत्वकांक्षा।

→ (iii) बिहार का आर्थिक रूप से समृद्ध होने के कारण शेरशाह के पास पर्याप्त संसाधनों की उपलब्धता।

→ (iv) राजनीतिक शुन्य के कारण शेरशाह के द्वारा बिहार के राजनीतिक फलक पर उभरना आसान।

अन्य कारक

→ व्यक्तिगत योग्यता व साहस।
→ अफगान परम्परा से लाभान्वित।
→ धनी अफगान विधवा से विवाह कर आर्थिक स्थिती को मजबूत करना
→ हुमायूँ की सीमाओं से लाभान्वित।

अतः शेरशाह के उद्भव को बिहार-बंगाल संघर्ष व सामाजार्थिक परिस्थितियों के अतिरिक्त अन्य कारकों से भी जोड़कर देखने की जरूरत है।

सभी बिन्दु ठीक है

विषयवस्तु प्रयास और गहनता व समग्रता के साथ करें

निष्कर्ष ठीक है

4/10

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(c) आयंगर व्यवस्था ने अपने अत्यधिक नियंत्रण के माध्यम से स्थानीय स्वायत्तता और ग्रामीण गणतंत्रों के मुक्त जीवन का पतन सुनिश्चित कर दिया। विवेचना कीजिये।

The Iyengar system strangled local autonomy and free life of the rural republics. Discuss.

आयंगर व्यवस्था विजयनगर साम्राज्य की महत्वपूर्ण व्यवस्था थी जिसमें कालांतर में अपने अत्यधिक नियंत्रण से स्थानीय स्वायत्तता तथा ग्रामीण गणतंत्र को नष्ट कर दिया।

भूमिका और प्रयास बेहतर करें।

कुछ संबंधित तथ्य

पल्लव, चोल व चालुक्य के संदर्भ को शामिल करें

→ (i) ग्रामीण स्वशासन दक्षिण भारत की हमेशा ही महत्वपूर्ण विशेषता रही है।

→ (ii) ग्रामीण स्वशासन पर नियंत्रण व नियमन हेतु आयंगर व्यवस्था की शुरुआत।

→ (iii) इस व्यवस्था के तहत प्रभावशाली लोगों को ग्रामीण स्वशासन की निगरानी हेतु नियुक्त किया जाता जो सीधे राज्य को अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करते।

Good

प्रयास ठीक है

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(v) हालांकि अपने स्वरूप में यह इतना अधिक निर्णायकारी था कि इसने स्थानीय स्वशासन की शक्तियों को कमजोर कर दिया

इन्हीं कारणों से यह कहा जाता है कि आयंगर व्यवस्था विजयनगर कालीन स्थानीय स्वशासन को कमजोर करने का वाहक सिद्ध हुआ।

विविध आयामों के साथ विश्लेषण प्रयास और बेहतर करें।

निष्कर्ष प्रभावी बनायें

3/10

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(d) मुगल काल में हुई साहित्य की प्रगति पर एक संक्षिप्त लेख लिखिये।

Write a short note on the progress of literature during the Mughal period.

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

मुगलकाल अपने साम्राज्यिक विस्तार के अतिरिक्त सांस्कृतिक विविधता के लिए भी जाना जाता है इस क्रम में मुगल काल में हुई साहित्य की प्रगति विशेष रूप से उल्लेखनीय है।

कलात्मक दृष्टिकोण के साथ प्रभावी व तार्किक भूमिका बनाएं

साहित्यिक प्रगति से संबंधित कुछ तथ्य

बाबर के संदर्भ के साथ शुरुआत करें।

→ (i) मुगल काल में एकतरफ तो अरबी, फारसी और तुर्की जैसी विदेशी भाषाएं फल-फूलती रही वहीं दूसरी तरफ हिंदी, संस्कृत व पंजाबी-मराठी, उर्दू जैसी क्षेत्रीय भाषाओं को पर्याप्त संरक्षण प्राप्त हुआ।

हुमायूं + दीन ए पनाह नामक पुस्तकालय की स्थापना

→ (ii) 2010 में प्रकाशित पुस्तक 'Incounter of Sanskrit in mugal Court' में

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

मुगलों द्वारा संस्कृत साहित्य को दिए गए संरक्षण की विस्तार से चर्चा की गई है।

(iii) धार्मिक साहित्य के रूप में इस काल में जहाँ अकबर के द्वारा रामायण, महाभारत, नलदमयन्ति वही दारा-शिकोह के द्वारा उपनिषदों का फारसी में अनुवाद करवाया गया।

(iv) इस काल में जहाँ बाबर ने 'तुजुक-ए बाबरी' वही जहाँगीर ने 'तुजुक-ए-जहाँगीरी' नामक आत्मकथा की रचना की।

(v) अकबर के काल में अबुल-फजल ने 'अकबरनामा', हमीद कलंदर ने 'पादशाहनामा' की रचना की।

इस तरह से मुगल काल को भारतीय साहित्य के प्रगति की दृष्टि से विशेष महत्व का काल माना जाता है।

मुगलकालीन महत्वपूर्ण साहित्यकारों के संदर्भ को भी शामिल करें।

- शाहजहां
- औरंगजेब एवं क्षेत्रीय साहित्य के संदर्भ को शामिल करें।

सभी बिन्दु अच्छे हैं।

विषयवस्तु प्रयास और प्रभावी बनायें।

निष्कर्ष ठीक है।

4/10

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(e) विजयनगर काल में स्थापत्य कला के विकास पर एक संक्षिप्त टिप्पणी कीजिये।

Make a brief comment on the development of architecture during the Vijayanagar period.

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

विजयनगर साम्राज्य (1336-1565)

मध्यकाल में अपने साम्राज्यिक, सैन्य, व्यापारिक सफलता के लिए जाना जाता है किंतु इस क्रम में उनकी स्थापत्य संबंधी उपलब्धियाँ कम महत्वपूर्ण नही रही हैं।

भूमिका ठीक है

स्थापत्य कला के विकास से संबंधित कुछ तथ्य -

तथ्य

(i) विजयनगर कालीन स्थापत्य कला साम्राज्य की भव्यता व प्रतिष्ठा को अभिव्यक्त करता है।

7th सदी की धूर्जटी की शैली

(ii) विरूपाक्ष मंदिर तथा हजारा मंदिर जैसे विजयनगरकालीन स्थापत्य साम्राज्य के कलात्मक उत्कृष्टता को प्रदर्शित करता है।

विजयनगर साम्राज्य से संबंधित नही

कृष्णदेवराय के संदर्भ को शामिल करें।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर

दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(iii) विजयनगर शासकों नें देशभर से स्थापत्य विशेषज्ञों को आमंत्रित कर अपने स्थापत्य को भव्य स्वरूप प्रदान किया।

(iv) विजनगर स्थापत्यों में भव्य गोपुरम, नक्काशीदार स्तंभ तथा अनगिनत स्तंभों पर आधारित 'मण्डपों' का विशेष प्रदर्शन देखनें को मिलता हैं।

(v) कल्याण मण्डप की व्यवस्था तत्कालिक स्थापत्य का नवाचार प्रतीत होता है

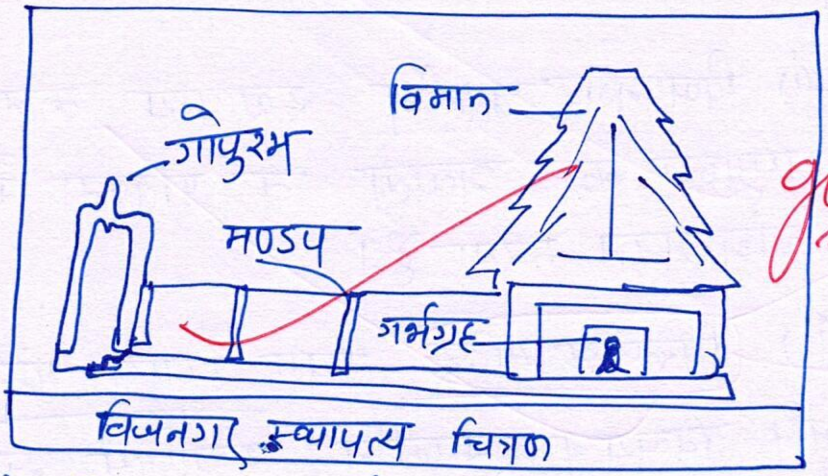

(vi) विजयनगर शासकों ने नगरों का भी निर्माण करवाया (पम्पापुर)

कुलमिलाकर विजयनगरकालीन स्थापत्य आज अपनी उत्कृष्टता के कारण आकर्षण का केंद्र है।

अच्छा प्रयास
उत्तर रचनात्मक एवं कॉन्सर्ट के संदर्भ को शामिल कर सकते हैं
good
विश्लेषणात्मक प्रयास ठीक है
4.5/10

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

6. (a) राजपूत चित्रकला ने आरंभ में व्यापक जीवंतता का परिचय दिया परंतु बाद में इसने मुगल प्रभाव को ग्रहण कर लिया। कथन के आलोक में राजपूत चित्रकला पर मुगल प्रभाव की व्याख्या कीजिये। 20

Rajput painting initially introduced widespread vibrancy but later it embraced Mughal influence. Explain the Mughal influence on Rajput painting in light of the statement. 20

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

दृष्टि The Vision

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर

दूरभाषः 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेलः help@groupdrishti.in :: वेबसाइटः www.drishtiIAS.com

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

(b) शासक के रूप में बहलोल उन सभी राजाओं से बहुत बढ़कर था, जो तुगलक वंश के फिरोज़शाह के बाद दिल्ली के सिंहासन पर बैठे थे। चर्चा कीजिये। 15

As a ruler, Bahlol surpassed all the kings who sat on the throne of Delhi after the Firozshah of the Tughlaqdynasty. Discuss. 15

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(c) महमूद गावां का युग बहमनी साम्राज्य के बुझते दीप की अंतिम ज्योति के समान था। विश्लेषण कीजिये। 15

Mahmud Gawan's era was like the last gleam of the extinguishing lamp of the Bahmani empire. Analyze. 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

7. (a) बहमनी राज्य ने न केवल उत्तर और दक्षिण के बीच सांस्कृतिक सेतु का कार्य किया अपितु उसने ईरान और तुर्की समेत पश्चिम एशिया के साथ एक ऐसा सांस्कृतिक संबंध विकसित किया जो उत्तर भारत की संस्कृति से कई लक्षणों से भिन्न थी। कथन की व्याख्या करें। 20

Bahmani Kingdom not only played the role of a bridge between North and South but it also developed such cultural relation with West Asia along with Iran and Turkey which was different from many features of north India's culture. Explain the statement. 20

बहमनी साम्राज्य व्यापक साँस्कृतिक व विविधता वाला साम्राज्य था जिसने उत्तर तथा दक्षिण भारत के बीच सांस्कृतिक सेतु के साथ ही पश्चिम एशिया तथा भारत के बीच भी सेतु की भूमिका अदा की।

उत्तर तथा दक्षिण के बीच सांस्कृतिक सेतु के रूप में बहमनी साम्राज्य

→ (i) उत्तर में प्रचलित सूफी परंपरा को दक्कन में संरक्षण देना (जैसूदराज)।

→ (ii) उत्तर के सांस्कृतिक विविधता की नीति तथा दक्षिण के द्रविड़ संस्कृति के बीच सामाजस्य स्थापित करना।

→ (iii) मंदिर तथा मस्जिद स्थापत्य की श्रृंखला स्थापित करना।

परिचयात्मक भूमिका बनाना बेहतर

प्रयास ठीक है

Good Points

तुगलक (सल्तनत) का अनुकरण

समारोह उत्सव में सांस्कृतिक समन्वय

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

पश्चिम एशिया के साथ संबंध

- (i) फारसी, तुर्की और अरबी भाषा को प्रोत्साहन (फिरोजशाह बहमन)।
- (ii) ईरानी शासक अफरासियाब का वंशज के रूप में स्वयं को चित्रित करना (~~हसन~~ अल्लाहउद्दीन हसन बहमन)
- (iii) पश्चिमी संस्कृति व तत्वों को बहमनी साम्राज्य में प्रोत्साहित करना।

उत्तर भारत के सांस्कृतिक अभिलक्षण से भिन्नता

- (i) आधुनिक प्रकार के शिक्षण संस्था का विकास (महमूद गवाँ)।
- (ii) बहमनी राज्य में ब्राह्मणों की अपेक्षाकृत बेहतर स्थिति (स्वयं बहमन शब्द ब्राह्मणों से विउत्पन्न)।

सभी बिंदु सटीक व संदर्भित है

अन्य महत्वपूर्ण आयामों को शामिल कर विस्तार दे प्रयास करें।

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

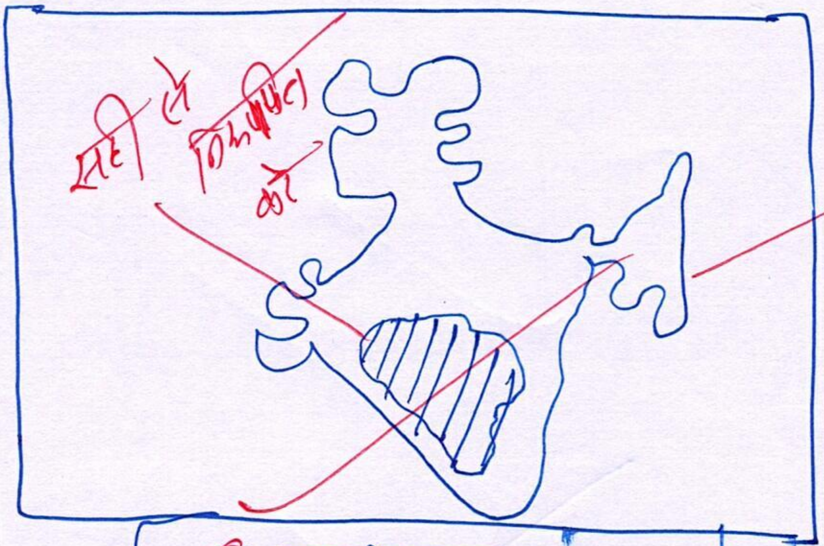

बहमनी साम्राज्य

अतः बहमनी साम्राज्य के विविधतामूलक स्वरूप के निर्धारण में उत्तर व दक्षिण भारत तथा पश्चिम एशिया के बीच सम्पर्क का महत्वपूर्ण स्थान रहा।

निष्कर्ष ठीक है

विषयवस्तु के स्तर पर और गहनता व विश्लेषण प्रयास अपेक्षित

7.5/20

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(b) बाबर की मृत्यु के बाद मुगल साम्राज्य को एक ऐसे शासक की आवश्यकता थी जिसमें कूटनीतिक कौशल तथा राजनीतिक विवेक हो किन्तु हुमायूं में इन सभी गुणों का अभाव था। समालोचनात्मक विश्लेषण कीजिये। 15

After Babur's death, the Mughal Empire needed a ruler who had diplomatic skills and political prudence, but Humayun lacked all these qualities. Critically analyze. 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

बाबर एक योग्य सेनापति तो था किंतु सफल साम्राज्य निर्माता नही फलत: उसकी मृत्यु (1530) के बाद ~~बाबर~~ उसके उत्तराधिकारी हुमायूँ के समक्ष कई चुनौतियां उत्पन्न हो गई थी।

चुनौतियां
- (i) साम्राज्य का संगठन
- (ii) अफगानों की समस्या
- (iii) भाई कमरान का विद्रोह
- (iv) अमीर वर्ग को संगठित करना

उपरोक्त चुनौतियों के समाधान हेतु कूटनीतिक कौशल व राजनीतिक विवेक शर्त थी। किंतु, कुछ इतिहासकारों के अनुसार हुमायूँ इन दोनों ही गुणों का आभाव था।

भूमिका ठीक है

good

परिवार (?) की परम्परा + बंटवारा की संदर्भ को शामिल कर सकते है

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

पक्ष में तर्क

(i) बिहार तथा गुजरात के अफगानों के आक्रमण के बावजूद दीन-ए-पनाह नामक नए नगर के निर्माण में हुमायूँ का व्यस्त होना।

(ii) हुमायूं का अफीमची होना।

(iii) हुमायूं के पास पर्याप्त सैन्य योग्यता का न होना [चौसा का युद्ध 1538 और 1539 में हुमायूं की हार (कन्नौज)]।

(iv) हुमायूं का अदूरदर्शी होना (शेरशाह के अधीन चुनार के किले को रहने देना।

(v) हुमायूं का आलसी व विलासी होना।

तथ्य बिन्दु ठीक व संदर्भित है

लेनपूल → चारित्रिक बल और संकल्प शक्ति का अभाव

हालांकि नवीन अध्ययनों नें उपरोक्त परंपरागत दृष्टिकोण को कड़ी चुनौती दी हैं तथा हुमायूं को कूटनीतिक कौशल तथा राजनीतिक विवेक से युक्त शासक बताया है-

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

हुमायूं के पक्ष में तर्क

(i) हुमायूं की दूरदर्शिता उसके द्वारा बनवाए गए 'दीन-ए-पनाह' नामक नए नगर में अभिव्यक्त होती है। क्योंकि अफगानों के आक्रमण से आगरा असुरक्षित हो चुका था।

(ii) हुमायूं की कूटनीतिक कुशलता उसके द्वारा बंगाल के शासकों के साथ बेहतर संबंधों के निर्धारण में भी प्रतीत होती है।

(iii) उसकी उद्यमिता का विशेष प्रमाण उसके द्वारा चलाए गए मालवा व गुजरात के अभियान में भी देखने को मिलती है।

(iv) उसकी सैन्य क्षमता का प्रदर्शन 1539 में तब देखने को मिलता है जब उसने प्रतिकूल मौसम, सीमित संसाधन और शेरशाह के हमले के बावजूद कर्मनासा नदी तक ले आया।

यद्यपि उपरोक्त योग्यताओं के बावजूद उसकी सीमाएं अधिक प्रभावी सिद्ध हुई तथा 1540 में वह शेरशाह के हाथों अपना साम्राज्य हार गया।

निजामुद्दीन अहमद एवं ईश्वरी प्रसाद के तर्कों को शामिल करें

अच्छा प्रयास है

विषयवस्तु व विश्लेषण अच्छा है

निष्कर्ष ठीक है

8/15

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(c) क्या आपको लगता है कि अकबर की राजपूत नीति मुगल साम्राज्यवादी व्यवस्था के साथ भारतीय शासक अभिजात वर्ग को शामिल करने की राजनीतिक महत्वाकांक्षा थी? 15

Do you think that Akbar's Rajput policy was a political ambition to incorporate the Indian ruling elite with the Mughal Imperial System? 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

अकबर मध्यकाल का एक महान शासक था जिसकी अभिव्यक्ति उसकी कूटनीति व राजत्व में भी होती है। उसकी राजपूत नीति को इसी परिप्रेक्ष्य में देखने की आवश्यकता है जिसके तहत उसने मुगल शासन से भारतीय कुलीनों को जोड़ने का प्रयास किया।

भूमिका और बेहतर बनायी जा सकती है

राजपूत नीति के दो पक्ष

① पुरस्कार की नीति - (आत्मसमर्पण करने वाले शासकों के साथ)

② दण्ड की नीति (विद्रोही राजपूतों के साथ)

राजपूत नीति → हुमायूं के संघर्ष से भी देखनी चाहिए → एक लड़ाकू कौम की आवश्यकता → फारसी शाह की सलाह

प्रयास ठीक है

[1] पुरस्कार की नीति :-

(i) स्वेच्छा से आत्मसमर्पण व सहयोग करने वाले राजपूत शासकों के साथ

दृष्टि The Vision

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर

दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

अपनाई गई।

(ii) सहयोगी राजपूत शासकों को उनका राज्य 'वतन जागीर' के रूप में लौटा दिया जाता

(iii) सहयोगी राजपूत शासकों को साम्राज्य के महत्वपूर्ण पदों पर नियुक्त किया जाता (मान सिंह)

(iv) विवाह संबंध पर भी बल (आमेर, बुंदेला, मारवाड़ प्रमुख सहयोगी राजपूत राज्य)

2 दण्ड की नीति

(i) स्वेच्छा से आत्मसमर्पण व सहयोग न करने वाले राजपूत राज्यों के विरुद्ध अपनाई जाती।

(ii) इसके तहत युद्ध तथा 'कत्ल-ए-आम' की नीति को अंजाम दिया जाता

(iii) मेवाड़ इसका प्रमुख उदाहरण

वैवाहिक गठबंधन पर विस्तार दें

संधियों के संदर्भ को भी शामिल करें + डूंगरपुर, बांसवाड़ा, सिरोही

धार्मिक सहिष्णुता की नीति + नतीजा/-चन्द्र

सही दिशा में हैं

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

अकबर की राजपूत नीति का उद्देश्य व लाभ -

(i) साम्राज्य के प्रबल शत्रु (राजपूत) जिसके प्रति बर्नी ने भी आक्रोश व्यक्त किया था अब साम्राज्य के सबसे बड़े सहयोगी हो चुके थे।

(ii) इसके माध्यम से अकबर ने अपने साम्राज्यवादी महत्वकांक्षाओं को पूरा करने का प्रयास किया।

(iii) राजपूताना का आर्थिक व सामरिक दृष्टि से विशेष महत्व।

(iv) मुगल अमीर वर्ग के 'चगताई' स्वरूप को तोड़ने का प्रयास तथा मिश्रित अमीर वर्ग का निर्माण।

अतः यह कहना गलत नहीं होगा कि अकबर ने अपने राजपूत नीति के माध्यम से भारतीय अभिजातियों को मुगल शासन से जोड़कर मुगल साम्राज्यवादी महत्वकांक्षा को पूरा किया।

मारवाड़ का मुद्दा एवं सती प्रथा के संदर्भ में भी चर्चा शामिल करें

इतिहासकारों के संदर्भ को शामिल करें।

विश्लेषण प्रयास ठीक है

निष्कर्ष ठीक है

7/15

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

8. (a) मध्यकाल में परस्पर सामंजस्य एवं एकीकरण की प्रवृत्तियाँ धार्मिक विश्वासों एवं अनुष्ठानों, वास्तुकला एवं साहित्य में ही नहीं, अपितु ललित कलाओं में भी दृष्टिगत होती है। स्पष्ट कीजिये। 20

Tendency of mutual coordination and integration in the medieval age appears not only among religious beliefs and rituals, sculpture and literature but also in fine arts. Explain. 20

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(b) 15वीं-16वीं सदी में अनेक प्रांतीय राजवंशों के अधीन हिंदू-इस्लामी स्थापत्य कला का अभूतपूर्व विकास हुआ। टिप्पणी कीजिये। 15

Indo-Islamic architecture underwent unprecedented development under several provincial dynasties in the 15th-16th centuries. Comment. 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(c) उत्तर-पश्चिम में मुगलों की विदेश नीति की चर्चा कीजिये। 15

Discuss the Mughal's foreign policy in the northwest. 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Feedback

Questions ....

Model Answer & Answer Structure ....

Evaluation ....

Staff ....

Copyright – Drishti The Vision Foundation

रफ कार्य के लिये स्थान
(Space for Rough Work)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

इतिहास
(वैकल्पिक विषय)
टेस्ट-5

DTVF / OPT-24	H-2405

निर्धारित समय: तीन घंटे Time Allowed: Three Hours	अधिकतम अंक : 250 Maximum Marks : 250

प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:

*इसमें **आठ** प्रश्न हैं जो दो खण्डों में विभाजित हैं तथा **हिन्दी एवं अंग्रेज़ी** भाषा में मुद्रित हैं।*

परीक्षार्थी को कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

*प्रश्न संख्या 1 और 5 **अनिवार्य** हैं तथा बाकी में से **प्रत्येक खण्ड से कम-से-कम एक प्रश्न** चुनकर किन्हीं **तीन प्रश्नों** के **उत्तर** दीजिये।*

प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिये गए हैं।

*प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहियें जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिये। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर **कोई अंक नहीं** मिलेंगे।*

प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिये।

जहाँ आवश्यक हो, अपने उत्तर को उपयुक्त चित्रों/मानचित्रों तथा आरेखों द्वारा दर्शाएँ। इन्हें प्रश्न का उत्तर देने के लिये दिये गए स्थान में ही बनाना है।

प्रश्नों के उत्तरों की गणना क्रमानुसार की जाएगी। यदि काटा नहीं हो, तो प्रश्न के उत्तर की गणना की जाएगी चाहे वह उत्तर अंशतः दिया गया हो। प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:

*There are **EIGHT** questions divided in **TWO SECTIONS** and printed both in **HINDI & ENGLISH**.*

*Candidate has to attempt **FIVE** questions in all.*

*Questions no. 1 and 5 are compulsory and out of the remaining, any **THREE** are to be attempted choosing at least **ONE** from each section.*

The number of marks carried by a question/part is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (Q.C.A.) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Illustrate your answers with suitable sketches/maps and diagrams, wherever considered necessary. These shall be drawn in the space provided for answering the question itself.

Attempts of questions shall be counted in sequential order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

Copyright – Drishti The Vision Foundation